MP METRO NEWS

05th July,2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	नई दुनिया	भोपाल	5.07.2024	02	वजट मिलते ही भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्य होंगे तेज	Positive

II नवदुनिया
भोपाल, शुक्रवार, 05 जुलाई, 2024

भोपाल सिटी

वजट मिलते ही भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्य होंगे तेज

भोपाल : प्रदेश सरकार के बजट की घोषणा के बाद से मेट्रो परियोजना के कार्यों को पंख लगना तय है। चूंकि लंबे समय से फंड की कमी के कारण भोपाल मेट्रो के कई कार्य धीमी गति से चल रहे थे, जो अब तेजी से पूरे किए जाएंगे। ज्ञात हो कि मेट्रो परियोजना के लिए सरकार ने 1160 करोड़ के बजट का प्रविधान किया है। भोपाल मेट्रो के फर्स्ट फेस के कार्य में प्रायोरिटी कारिडोर पर दिसंबर तक मेट्रो का संचालन शुरू करना है। कमर्शियल रन के तहत सुभाष नगर डिपो से लेकर एम्स तक मेट्रो का संचालन किया जाना है। इस रूट का ट्रैक पूरी तरह तैयार है। इसके साथ ही इस रूट पर आठ स्टेशन बनाए जाने हैं पांच बन चुके हैं, शेष तीन स्टेशनों का कार्य जारी है। -नप्र

MP METRO NEWS

12th July,2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	12.07.2024	03	मेट्रो के लिए पुल बोगदा में रेलवे लाइन के ऊपर बनेगा एक और ब्रिज	Neutral

राज एक्सप्रेस शुक्रवार, 12 जुलाई 2024 सूर्यास्त (शुक्रवार): 07:10 सूर्योदय (शनिवार): 05:42 **महानगर** तापमान अधिकतम 31.5° न्यूनतम 25.2° भोपाल 3 www.rajexpress.com

डिपो चौराहा से रत्नागिरी तिराहा रूट का होगा हिस्सा

मेट्रो के लिए पुल बोगदा में रेलवे लाइन के ऊपर बनेगा एक और ब्रिज

भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

65 मीटर होगी लंबाई

शहर में मेट्रो दौड़ाने के लिए रेलवे लाइन के ऊपर एक और ब्रिज बनाया जाएगा। यह पुल बोगदा क्षेत्र में बनेगा। इसकी लंबाई भी 65 मीटर रहेगी। यह डिपो चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक मेट्रो के दूसरे रूट का हिस्सा रहेगा। खास बात यह रहेगी कि पुल बोगदा में मेट्रो का इंटरचेंज स्टेशन भी रहेगा। यानि करोंद से एम्स रूट की मेट्रो का स्टेशन भी यहां होगा। इस स्थान पर यात्री दूसरी मेट्रो पकड़ सकेंगे। राजधानी में मेट्रो प्रोजेक्ट के पहले चरण में दो रूट को शामिल किया गया है। पहला एम्स से करोंद और दूसरा डिपो चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक है। इनकी कुल लंबाई करीब 30 किमी होगी। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने मेट्रो का पैसेंजर रन शुरू करने के लिए प्रायोरिटी रूट के तौर पर सुभाष नगर से एम्स के हिस्से को शामिल किया है। इसका अभी काम चल रहा है। सुभाष नगर से करोंद रूट का कार्य भी जमीन पर उतर चुका है। इसमें दो अंडरग्राउंड स्टेशन और लगभग एक किमी लंबी ट्विन टनल का कार्य भी शामिल है। डिपो चौराहा से रत्नागिरी तिराहा के लिए भी एजेंसी लगभग फाइनल हो गई है। यह पूरा रूट एलिवेटेड यानि जमीन के ऊपर बनेगा। इसकी लंबाई 14.21 किमी रहेगी। इस पर 14 स्टेशन बनाए जाएंगे। सुभाष नगर में स्टड फार्म की जमीन पर बन रहे डिपो तक मेट्रो को ले जाने के लिए रैंप भी बनाया जाएगा। इस रूट पर मेट्रो को प्रभात चौराहा से लाल परेड ग्राउंड की ओर ले जाने के लिए पुल बोगदा में स्टेशन के साथ ही रेलवे स्पान ब्रिज का निर्माण किया जाएगा।

ब्रिज बेहद जरूरी, इसके बिना मेट्रो नहीं चला सकते

मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को ब्रिज बनाने की जरूरत वहां पड़ रही है जहां रेलवे लाइन के ऊपर से ट्रैक बिछाना है। एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो चलाने के लिए रानी कमलापति से डीआरएम ऑफिस स्टेशन के बीच स्टील का 65 मीटर लंबा ब्रिज बनाया जा रहा है। ब्रिज की जरूरत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह तैयार न होने की वजह से मेट्रो का कार्य पूरा नही हो पा रहा है। पैसेंजर रन का समय बार-बार आगे बढ़ाना पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि आरकेएमपी से डीआरएम ऑफिस के बीच में रेलवे लाइन है। इसके ऊपर निर्माण नही किया जा सकता है। ऐसे में स्टील ब्रिज लाइन के ऊपर खड़ा किया जाएगा। फिर इस पर फाउंडेशन तैयार कर ट्रैक बिछाया जाएगा। दिक्कत यह आ रही है कि ब्रिज को रोल कर लाइन के ऊपर खड़ा करने के लिए रेलवे से छह महीने मे स्लॉट नही मिल पाया है। कॉर्पोरेशन के अफसर इस महीने इसके लिए समय मिलने की उम्मीद जता रहे हैं। स्लॉट मिलते ही एक से डेढ़ घंटे में ब्रिज रेलवे लाइन के ऊपर तैयार कर दिया जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
3	पत्रिका	भोपाल	12.07.2024	02	#Metro Train अत्याधुनिक तकनीक का होगा ट्रेन में इस्तेमाल, क्राउड मैनेजमेंट से लेकर एंटी ड्रैग फीचर और क्यूआर कोड में टिकट	Neutral

#MetroTrain अत्याधुनिक तकनीक का होगा ट्रेन में इस्तेमाल, क्राउड मैनेजमेंट से लेकर एंटी ड्रैग फीचर और क्यूआर कोड में टिकट

AI बताएगा किस स्टेशन पर कितने यात्री, उसके अनुसार लगेगा कोच

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. अगले साल से मेट्रो ट्रेन में भोपालवासियों का सफर काफी रोमांचकारी होगा। उन्हें पब्लिक ट्रांसपोर्ट में नई तकनीक का नया दौर देखने को मिलेगा। टिकट के बदले यात्रियों के पास क्यूआर कोड होगा। स्मार्ट कार्ड की तरह ये मेट्रो ट्रेन सिस्टम में स्कैन होगा और किराए का भुगतान हो जाएगा। इतना ही नहीं, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी के साथ मेट्रो दौड़ेगी। और किस स्टेशन पर कितने यात्री ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं इसका पता एआइ से पहले ही चल जाएगा। इसी के अनुरूप कोच की व्यवस्था होगी।

कॉरीडोर में करंट का अलर्ट जारी किया गया है। 13 जुलाई को थर्ड लाइन सिस्टम के तहत 750 डीसी करंट को प्रवाहित किया जाएगा। अगले स्थापना दिवस से पहले मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू कर दिया जाएगा। **सीबी चक्रवर्ती,** एमडी, मेट्रो रेल कारपोरेशन

दसवें स्थापना दिवस पर शुरू होगी यात्रा

मेट्रो रेल कारपोरेशन ने बुधवार को अपना नौवां स्थापना दिवस मनाया। यहां संकल्प लिया गया कि जब जुलाई 2025 में मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन अपना दसवां स्थापना दिवस मनाएंगी तब मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू हो चुका होगा। यात्री मेट्रो में सफर कर रहे होंगे।

...तो खुद रुक जाएगी मेट्रो

क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम को एआई से जोड़ा जाएगा। ये रियल टाइम कंट्रोल रूम को सूचना भेजती रहेगी कि स्टेशन पर कितने यात्री हैं। यात्रियों की संख्या की तुलना में ही मेट्रो कोच पहुंचेंगे। सुरक्षा बहुत सख्त होगी। एंटी ड्रेग फीचर मेट्रो में होगा, जिसमें दरवाजे पर थोड़ा भी अतिरिक्त दबाव आया तो मेट्रो खुद रुक जाएगी। ये तमाम फीचर यात्रा का अलग अनुभव कराएंगे। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन इस साल अपने यहां एंटी ड्रेग फीचर, क्यूआर कोड आधारित टिकटिंग, ग्रिवांस रिड्रेसल सिस्टम से लेकर क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम को लागू करेगा। ये सभी एआइ आधारित हैं। इन तकनीकों का इस्तेमाल भोपाल मेट्रो में भी होगा।

कल ट्रैक और स्टेशन पर दौड़ेगा करंट

मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन 13 जुलाई को मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरीडोर के 6.22 किमी हिस्से में से करीब चार किमी के भाग में 750 डीसी थर्ड रेल का करंट शुरू कर देगा। इसके लिए कारपोरेशन ने अलर्ट जारी किया है। लाइन से जुड़े क्षेत्रों के लोगों व संस्थाओं से आग्रह किया गया है कि वे मेट्रो लाइन और स्थापनाओं से दूर रहें, ताकि कोई दुर्घटना न हो।

यहां रहें अलर्ट मेट्रो कारपोरेशन के अनुसार केंद्रीय विद्यालय मेट्रो स्टेशन 33केवी एएसएस, महाराणा प्रताप नगर मेट्रो स्टेशन पर 33केवी एएसएस, पी-176 से पी-181 तक जुड़ी 750 डीसी केबल से लेकर एंट्री लाइन और एग्जिट लाइन के लिए डिपो रैंप के संबंधित 750 डीसी केबल में करंट छोड़ा जाएगा। ये करंट हमेशा बना रहेगा।

MPMETRO

MP METRO NEWS

14th July,2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
4	पत्रिका	भोपाल	13.07.2024	04	राजधानी का पहला फाइव स्टार मेट्रो स्टेशन होगा पल बोगदा, यहाँ थ्री लैअर की होगी मेट्रो लाइन	Positive

पत्रिका

#MetroProject पुल बोगदा से आगे अंडरग्राउंड के लिए खुदाई शुरू, 3.34 किमी का रूट बनेगा

राजधानी का पहला फाइव स्टार मेट्रो स्टेशन होगा पुल बोगदा, यहां थ्री लेयर की होगी मेट्रो लाइन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल @ पत्रिका. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए सुभाष ब्रिज से आगे पुल बोगदा की ओर काम शुरू हो गया है। शनिवार से ट्रैफिक डायवर्जन कर दिया गया। पुल बोगदा से करोंद चौराहा तक करीब आठ किमी लंबी लाइन बिछेगी। पुल बोगदा पर थ्री लेयर मेट्रो लाइन के बीच स्टेशन बनेगा। यह राजधानी का पहला फाइव स्टार रेलवे स्टेशन होगा जहां 5 स्टार होटल सरीखी सुविधाएं मिलेंगी। 2027 तक इस प्रोजेक्ट को पूरा कर यहां कमर्शियल रन शुरू होगा।

769 करोड़ में बिछेगी अंडरग्राउंड लाइन

सुभाष स्टेशन से आगे पुल बोगदा, ऐशबाग, भोपाल रेलवे स्टेशन, नादरा बस स्टैंड, सिंधी कॉलोनी और आगे करोंद के बीच निर्माण शुरू करने से पहले कंपनी ने जमीन का सर्वे शुरू किया है। 2027 तक इस लाइन को पूरा करने का लक्ष्य है। अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन का काम 769 करोड़ रुपए में पूरा होगा। ऐशबाग से सिंधी कॉलोनी तक 3.39 किमी की अंडरग्राउंड लाइन ट्वीन टनल के माध्यम से निकलेगी।

पहला फाइव स्टार स्टेशन होगा

यह इंटरचेंज स्टेशन वास्तव में शहर का पहला फाइव स्टार स्टेशन होगा, जिंसी से ऐशबाग तक की बाइब्रेंसी इससे बदल जाएगी। क्षेत्र पॉश एरिया में शामिल होगा। यहां लाइन से 300 मीटर आसपास हाइराइज बिल्डिंगों का रास्ता खुलेगा।

सुभाष स्टेशन से आगे कॉरीडोर बनाने का काम करने के लिए एजेंसी तय कर दी गयी है। पुल बोगदा इंटरचेंज स्टेशन बनेगा। ये क्षेत्र को नई पहचान देगा। आगे ट्रेन अंडरग्राउंड जाएगी।

सीबी चक्रवर्ती, एमडी मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन

14/07/2024 | Bhopal | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

MP METRO NEWS

15th July,2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
5	पत्रिका	भोपाल	15.07.2024	II	पुल बोगदा पर बनेगा मेट्रो का डबल स्टेशन	Neutral

BHOPAL PRIME

भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, सोमवार, 15 जुलाई 2024

पुल बोगदा पर बनेगा मेट्रो का डबल स्टेशन

भोपाल. पुल बोगदा पर मेट्रो का डबल स्टेशन बनाने की योजना बनाई जा रही है। पुल बोगदा से करोंद चौराहा तक करीब आठ किमी लंबी लाइन बिछेगी। वहीं 769 करोड़ की लागत से अंडरग्राउंड लाइन बिछेगी। डबल स्टेशन बनने के बाद यह क्षेत्र कई सुविधाओं से लेस हो जाएगा साथ ही पॉश क्षेत्रों की श्रेणी में आ जाएगा।

-ड्रोन फोटो रजत शर्मा

MP METRO NEWS

22nd July 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
6	दैनिक भास्कर	भोपाल	22.07.2024	J2	सावधान! अब मप्र मेट्रो मे नौकरी लगवाने का झांसा दे रहे जालसाज	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 22-07-2024

Pg-J2

एम्स में नौकरी के नाम पर हो चुकी है ठगी

सावधान! अब मप्र मेट्रो में नौकरी लगवाने का झांसा दे रहे जालसाज

भोपाल | मप्र मेट्रो में अलग-अलग पदों पर चल रही भर्तियों के बीच कुछ जालसाज भी सक्रिय हो गए हैं। ये जालसाज बेरोजगारों को मप्र मेट्रो में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगी की कोशिश कर रहे हैं। इस संबंध में अफसरों तक पहुंची शिकायत के बाद मेट्रो रेल कंपनी ने सावधान रहने की सलाह दी है। कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि मप्र मेट्रो रेल कंपनी लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) ने अपनी ओर से भर्ती के लिए कोई एजेंट या कोचिंग सेंटर नियुक्त नहीं किया है। भर्ती संबंधी सभी सूचनाएं केवल एमपीएमआरसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की जाती हैं। आम लोग प्रामाणिक जानकारी के लिए एमपीएमआरसीएल की आधिकारिक वेबसाइट https://www.mpmetrorail.com/ को फॉलो करें। मालूम हो कि इससे पहले एम्स में भर्ती के नाम पर इस तरह की ठगी के मामले सामने आ चुके हैं।

MPMETRO

MP METRO NEWS

24th July 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
7	दैनिक जागरण	भोपाल	24.07.2024	03	प्रोजेक्ट: भोपाल मे 65 मिटर लंबे स्टील ब्रिज की तैयारी, अगस्त मे मिलेगा ब्लॉक	Neutral

प्रोजेक्ट | भोपाल में 65 मीटर लंबे स्टील ब्रिज की तैयारी, अगस्त में मिलेगा ब्लॉक

रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगी मेट्रो, परमिशन मिली

जागरण, भोपाल। भोपाल में मेट्रो के लिए 103 मीटर के 2 स्टील ब्रिज बन रहे हैं। पहला सड़क और दूसरा रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा। ब्रिज से ही मेट्रो होशंगाबाद रोड से एम्स की ओर जाएगी। मेट्रो कॉर्पोरेशन को ब्रिज बिछाने की मंजूरी मिल गई है। अब ब्लॉक की तारीख का इंतजार है। संभवतः अगस्त में ब्लॉक मिल सकता है। वहीं, सड़क के ऊपर से गुजरने वाले ब्रिज का काम भी अंतिम दौर में है। मेट्रो अफसरों का कहना है कि रेलवे ट्रैक के ऊपर से जो स्टील ब्रिज गुजरेगा, उसकी रेलवे से अनुमति मिली है। अब यह तय किया जा रहा है कि ब्लॉक किस दिन दिया जाए। इस दिन कुछ ट्रेनों को डायवर्ट भी किया जा सकता है। दूसरी ओर, मेट्रो कॉर्पोरेशन को भी निर्धारित समय पर ब्रिज को पिलर पर रखना होगा। अभी ब्रिज को असेंबल कर दिया गया है। यह ब्रिज राजस्थान के अलवर में बना है, जो दिल्ली मेट्रो जैसे ही डिजाइन किए गए हैं।

मार्च में हुई थी काम की शुरुआत

बता दें कि जनवरी-फरवरी में ब्रिज के पार्ट्स अलवर से भोपाल आ गए थे। जिन्हें मार्च में असेंबल करना शुरू किया गया। मार्च में काम की शुरुआत की गई। डीआरएम ऑफिस चौराहे पर साढ़े 4 महीने से रास्ता भी डायवर्ट किया गया है। ऐसे में लोगों को घूमकर आना-जाना पड़ रहा है। रास्ता खुलने से हजारों लोगों को राहत मिलेगी।

इतने लंबे-चौड़े स्टील ब्रिज

ब्रिज-1 : रेलवे ट्रैक पर 65 मीटर लंबा ब्रिज

आरकेएमपी से डीआरएम ऑफिस के बीच रेलवे लाइन है, इसलिए 65 मीटर लंबा स्टील ब्रिज रखा जाएगा। दोनों ओर पिलर खड़े हो चुके हैं। रेलवे के ब्लॉक के बाद ब्रिज को रखा जाएगा। ब्रिज की चौड़ाई 15 मीटर है, जबकि ऊंचाई 14 मीटर रहेगी। इससे नीचे ट्रेनें आसानी से गुजर सकेंगी।

ब्रिज-2 : डीआरएम चौराहा

रेलवे क्रॉसिंग के बाद दूसरा ब्रिज डीआरएम ऑफिस चौराहे पर बन रहा है। इसकी लंबाई 48 मीटर और चौड़ाई 8 मीटर है। वहीं, यह 14 मीटर ऊंचा रहेगा। ब्रिज बनने के बाद नीचे गाड़ियां निकलेगी ऊपर मेट्रो गुजरेगी। इस ब्रिज का स्ट्रक्चर बनकर तैयार हो चुका है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
8	नव दुनिया	भोपाल	24.07.2024	13	103 मीटर के दो स्टील ब्रिज पर दौड़ेगी मेट्रो	Neutral

103 मीटर के दो स्टील ब्रिज पर दौड़ेगी मेट्रो

तैयारी ● रेलवे ने ब्लाक लेने की प्रक्रिया शुरू, तेजी से काम करने के निर्देश

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : भोपाल में मेट्रो के लिए 103 मीटर के दो स्टील ब्रिज बनाए जाएंगे। पहला सड़क और दूसरा रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा। ब्रिज से ही मेट्रो होशंगाबाद रोड से एम्स की ओर जाएगी। मेट्रो कार्पोरेशन को ब्रिज बिछाने की मंजूरी मिल गई है। अब ब्लाक की तारीख का इंतजार है। संभवतः अगस्त में ब्लाक मिल सकता है। वहीं सड़क के ऊपर से गुजरने वाले ब्रिज का काम भी अंतिम दौर में चल रहा है। आरकेएमपी से डीआरएम आफिस के बीच रेलवे लाइन है। इसलिए 65 मीटर लंबा स्टील ब्रिज रखा जाएगा। दोनों और पिलर खड़े हो चुके हैं।

रेलवे के ब्लाक के बाद ब्रिज को रखा जाएगा। ब्रिज की चौड़ाई 15 मीटर है। जबकि ऊंचाई 14 मीटर रहेगी। मेट्रो अफसरों का कहना है कि रेलवे ट्रैक के ऊपर से जो स्टील ब्रिज गुजरेगा उसकी रेलवे से अनुमति मिली है। अब यह तय किया जा रहा है कि ब्लाक किस दिन दिया जाएगा। यह ब्रिज राजस्थान के अलवर में बना है, जो दिल्ली मेट्रो जैसा ही डिजाइन किया गया है।

MP METRO NEWS

27th July 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
9	दैनिक भास्कर	भोपाल	27.07.2024	02	मेट्रो की सुभाष नगर से करोंद तक ऑरेंज लाइन के लिए सॉइल टेस्टिंग	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 27-07-2024 Pg-02

दूसरा फेज • 8.77 किमी के इस हिस्से में 1540 करोड़ खर्च होंगे

मेट्रो की सुभाष नगर से करोंद तक ऑरेंज लाइन के लिए सॉइल टेस्टिंग

पुल बोगदा, करोंद, नादरा बस स्टैंड सहित कई जगह मिट्टी के सैंपल लिए गए

विशेष संवाददाता | भोपाल

लंबे समय से अटके मेट्रो के कामों में तेजी आने लगी है। पहले फेज के सुभाषनगर से एम्स तक के हिस्से पर काफी काम हो चुका है। दूसरे फेज में अब सुभाषनगर से करोंद तक के दूसरे हिस्से पर काम आगे बढ़ाया जा रहा है। इस हिस्से में जहां पिलर लगने हैं वहां अब सॉइल टेस्टिंग की जा रही है।

मेट्रो कॉर्पोरेशन के मुताबिक सुभाषनगर से करोंद के बीच 8.77 किमी की ऑरेंज लाइन बिछेगी। इस पर कुल 1540 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पुल बोगदा, करोंद, नादरा बस स्टैंड सहित कई जगह मिटटी के सैंपल लेकर टेस्ट किए जा रहे हैं। यहां पर मेट्रो रूट के लिए पिलर लगाए जाने हैं। इन पिलर्स पर गर्डर लगाए जाएंगे। क्वालिटी की जांच के लिए 15 मीटर तक अंदर की मिट्टी ली जा रही है।

सुभाष नगर से एम्स तक प्रायोरिटी कॉरिडोर के बाद सिंधी कॉलोनी से भारतीय मृदा संस्थान तक 5.38 किमी का एलिवेटेड कॉरिडोर बनना है। इसके लिए भी सॉइल टेस्टिंग जारी है। आरा मिल से नादरा बस स्टैंड तक 3.39 किमी तक टनल रूट बनेगा। इसमें जमीन से 20 मीटर नीचे दो स्टेशन बनने हैं।

मेट्रो के दूसरे फेज के लिए पुल बोगदा के पास की गई सॉइल टेस्टिंग।

आरा मशीनों की शिफ्टिंग पर भी काम- पुल बोगदा से करोंद के बीच अंडरग्राउंड मेट्रो रूट के बीच आरा मशीनें बाधा रही हैं। अब इनको परवलिया के रातीबड़ में शिफ्ट करने की प्रक्रिया तेज हुई है। उम्मीद है कि मानसून के बाद इनकी शिफ्टिंग की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

स्टील ब्रिज अगस्त में पूरा करने का दिया है टारगेट

लंबे समय से हबीबगंज क्रॉसिंग पर अधूरे पड़े स्टील ब्रिज को लेकर भी काम में तेजी आई है। हाल ही में मेट्रो कॉर्पोरेशन को रेलवे ब्लॉक के लिए स्वीकृति मिली है। अगस्त में इस रूट पर ब्लॉक होने के बाद रेलवे ट्रैक के ऊपर के ब्रिज के हिस्से को पूरा किया जाएगा। इसके बाद ये हिस्सा डीआरएम ऑफिस और आगे वाले हिस्से से जोड़ दिया जाएगा।

दूसरे फेज में 3.39 किमी लंबा अंडरग्राउंड रूट

मेट्रो की ऑरेंज लाइन में 8.77 किमी में से 3.39 किमी लंबा रूट अंडरग्राउंड (टनल) रहेगा। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी सिबी चक्रवर्ती, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण रोड सेफ्टी और डायवर्सन पर मंथन कर चुके हैं। इस रूट पर कुल 95% सरकारी जमीन है। बाकी प्राइवेट जमीन भी हिस्से में आएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	दैनिक जागरण	भोपाल	27.07.2024	05	मेट्रो के दूसरे फेज 8.77 किमी लाइन के लिए मिट्टी की टेस्टिंग	Neutral

मेट्रो के दूसरे फेज 8.77 किमी लाइन के लिए मिट्टी की टेस्टिंग

सुभाषनगर से करोंद के बीच जहां पिलर बनेंगे, वहां भार रखकर जांचा जाएगा

जागरण, भोपाल। राजधानी में मेट्रो की ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज सुभाषनगर से करोंद के बीच के काम की शुरुआत भी हो गई है। सुभाषनगर से करोंद के बीच 8.77 किमी में जिन जगहों पर पिलर खड़े होंगे, वहां मिट्टी की टेस्टिंग की जा रही है। बोगदा पुल चौराहा, करोंद में टेस्ट हो चुके हैं। ड्रॉइंग पर भी काम हो रहा है। सुभाषनगर मेट्रो स्टेशन से ऑरेंज लाइन का दूसरा फेज है। ये सुभाषनगर मेट्रो स्टेशन से करोंद में भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान के सामने तक है। इस फेज के रूट में दो तरह से काम होगा। 8.77 किलोमीटर में से 3.39 किमी लंबा रूट अंडरग्राउंड रहेगा, जबकि 5.38 किमी हिस्सा जमीन के ऊपर रहेगा। दोनों के ही टेंडर हो चुके हैं और मिट्टी की टेस्टिंग की जा रही है।

15 मीटर तक मिट्टी की टेस्टिंग

पिलर के लिए जमीन के 15 मीटर तक मिट्टी की टेस्टिंग की जा रही है। वहीं, आने वाले दिनों में पाइल लोड टेस्टिंग भी होगी। इसमें पिलर वाले स्थान पर ढाई गुना तक भार रखकर टेस्ट किए जाएंगे।

भोपाल में अब तक 5 मेट्रो आई

गुजरात के सांवली (बड़ोदरा) से भोपाल में कुल 5 मेट्रो आ चुकी है। इनका 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से स्पीड ट्रायल भी हो चुका है। हर दिन मेट्रो को ट्रैक पर दौड़ाया जा रहा है।

इन 6 जगहों पर बनेंगे मेट्रो स्टेशन

पुल बोगदा, ऐशबाग, सिंधी कॉलोनी, डीआईजी बंगला, कृषि उपज मंडी, करोंद

5 स्टेशनों के बीच ट्रायल रन हुआ

भोपाल में मेट्रो की ऑरेंज लाइन यानी एम्स से करोंद तक का रूट कुल 14.99 किमी लंबा है। इसमें सुभाष नगर से एम्स के बीच 6.22 किमी का प्रायोरिटी कॉरिडोर है। 8 में से 5 स्टेशनों के बीच अक्टूबर 2023 में ट्रायल रन हुआ था। रानी कमलापति, सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी के सामने और एमपी नगर के स्टेशनों का काम 90% से ज्यादा पूरा हो चुका है।

मेट्रो प्रोजेक्ट में भूले वाटर हार्वेस्टिंग

भोपाल। भोपाल मेट्रो ट्रैक से बारिश के दौरान पानी की बेजा बर्बादी हो रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि अब तक ट्रैक के नीचे रिचार्ज वेल नहीं बन सके हैं, जबकि डीपीआर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लगाए जाने का प्रविधान है। भोपाल मेट्रो प्रबंधन ने दावा किया था कि बारिश की हर बूंद को सहेजा जाएगा, लेकिन वर्तमान में ट्रैक के पिलर से बहते पानी को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि जिस पानी को सहेजा जा सकता था, उसकी फिलहाल बर्बादी हो रही है। उधर, मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि यह काम प्रोजेक्ट के अंतिम चरण का है।

दूसरे फेज के 2 प्रोजेक्ट

प्रोजेक्ट-1 : 650 करोड़ रुपए में 6 स्टेशन बनेंगे

सुभाष नगर डिपो से करोंद तक के रूट में कुल 2 फेज में काम होगा। कुल 8.77 किमी में से 5.38 किमी हिस्से में 6 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसमें 650 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यूआरसी कंस्ट्रक्शन यह काम करेगी। यही कंपनी सुभाष नगर, डीबी मॉल, एमपी नगर, केंद्रीय स्कूल, आरकेएमपी, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस और एम्स स्टेशनों का काम भी कर रही है। मिट्टी की टेस्टिंग इसी कंपनी के जिम्मे है।

कब पूरा करना है : साढ़े 3 साल में काम पूरा करने का टारगेट रहेगा। इसी अवधि में स्टेशन और ट्रैक बिछाया जाएगा।

प्रोजेक्ट-2 : 890 करोड़ रुपए में अंडरग्राउंड रूट बनेगा

8.77 किमी के रूट में 3.39 किलोमीटर रूट अंडरग्राउंड होगा। इसमें 2 मेट्रो स्टेशन भोपाल रेलवे स्टेशन व नादरा बस स्टैंड भी रहेंगे। यह काम अलग कंपनी करेगी। इसके लिए बड़ी मशीन आएगी, जो जमीन के अंदर ही बड़ी सुरंग कर देगी।

कब पूरा करना है : काम शुरू होने के बाद साढ़े 3 साल में पूरा करने का टारगेट रहेगा। मेट्रो की दोनों लाइन का यह अकेला अंडरग्राउंड हिस्सा रहेगा। **यहां से अंडरग्राउंड गुजरेगी मेट्रो :** सुरंगें सिंधी कॉलोनी, ऐशबाग क्रॉसिंग से होती हुई भोपाल स्टेशन और नादरा बस स्टैंड को स्टेशनों के माध्यम से जोड़ेगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	नवदुनिया	भोपाल	27.07.2024	2	भोपाल मेट्रोः वारिश में हो रही मिट्टी की टेस्टिंग	Neutral

भोपाल मेट्रो: बारिश में हो रही मिट्टी की टेस्टिंग

भोपाल: शहर में मेट्रो की आरेंज लाइन के दूसरे फेज के तहत सुभाष नगर से करोंद के बीच का निर्माण कार्य जारी है। इस 8.77 किलोमीटर लंबे रूट पर पिलरों के निर्माण के लिए मिट्टी की टेस्टिंग का काम बारिश में किया जा रहा है। बारिश के दिनों में बैरसिया रोड पर मिट्टी की टेस्टिंग चल रही है। बोगदापुल चौराहा और करोंद में टेस्टिंग पूरी हो चुकी है। आरेंज लाइन का यह दूसरा फेज सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से करोंद में भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान के सामने तक जाएगा। इस फेज के 3.39 किलोमीटर हिस्से को अंडरग्राउंड रखा जाएगा। इसके लिए दोनों के टेंडर भी हो चुके हैं। सुभाष नगर डिपो से करोंद तक के इस रूट में छह एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनेंगे। -नप्र

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	पत्रिका	भोपाल	27.07.2024	2	मेट्रो ट्रेन लाइन जिंसी से आगे बढ़ी 8.77 किमी लाइन के लिए मिट्टी की टेस्टिंग अंतिम दौर में	Neutral

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, शनिवार, 27 जुलाई 2024

मेट्रो ट्रेन लाइन जिंसी से आगे बढ़ी

8.77 किमी लाइन के लिए मिट्टी की टेस्टिंग अंतिम दौर में

भोपाल @ पत्रिका. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत पुल बोगदा की ओर काम शुरू करने के लिए मिट्टी की टेस्टिंग अंतिम दौर में है। बीते दो माह से यहां टेस्टिंग की जा रही है। 8.77 किमी लंबाई के इस दूसरे हिस्से में करीब सवा तीन किमी अंडरग्राउंड लाइन होगी। ये आरेंज लाइन का दूसरा भाग है। इसमें 5.38 किमी का भाग एलिवेटेड रहेगा। पहले चरण में सुभाष ब्रिज से एम्स तक 6.22 किमी का काम किया गया। 2027 तक 30 किमी लंबाई की दो लाइन पर मेट्रो संचालन का दावा किया जा रहा है। मेट्रो लाइन के लिए मिट्टी की टेस्टिंग में पाइप लोड टेस्टिंग भी की जाएगी। अभी 15 मीटर गहराई में बोरिंग कर मिट्टी और पानी का परीक्षण किया जा रहा है। यहां पाइल टेस्टिंग के तहत पिलर के समान लोड रखकर स्थिति देखी जाएगी।

रत्नागिरी से भदभदा के बीच भी शुरू होगी टेस्टिंग

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट में पहले चरण की दो लाइन में से दूसरी लाइन रत्नागिरी से भदभदा पर भी काम शुरू होगा। करीब 13 किमी लंबाई की लाइन के लिए ठेका एजेंसी तय की जा रही है।

काम तेज करने बनेगी अथॉरिटी: मेट्रो प्रोजेक्ट के पहले चरण की लाइन में से अभी 24 किमी का काम पूरा करना है। इसके लिए ढाई साल से भी कम समय है। ऐसे में अन्य मेट्रो सिटी की तरह यहां विशेष अथॉरिटी बनाकर काम की कवायद है। हालांकि इसके लिए शासन स्तर से कवायद की जाना है। अथॉरिटी बनती है तो फिर विकास से जुड़ी एजेंसियों के बीच तालमेल सुधरेगा जिससे काम तेजी से पूरा हो पाएगा।

MP METRO NEWS

31st July 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	पत्रिका	भोपाल	31.07.2024	07	इंदौर-उज्जैन मेट्रो रेल की डीपीआर बनाएगा दिल्ली मेट्रो	Neutral

इंदौर-उज्जैन मेट्रो रेल की डीपीआर बनाएगा दिल्ली मेट्रो

भोपाल@पत्रिका. इंदौर शहर के लिए 84 किमी के साथ दो कॉरिडोर इंदौर-उज्जैन और इंदौर-पीथमपुर तक मेट्रो ट्रेन के लिए दिल्ली मेट्रो तकनीकी सलाह दे रहा है। उज्जैन, इंदौर, पीथमपुर लाइन के पहले चरण में महकाल मंदिर उज्जैन-नानाखेड़ा बस स्टैंड से लवकुश चौराहा इंदौर को जोड़ने डीपीआर दिल्ली मेट्रो बनाएगा। मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने इसके पत्र जारी किए हैं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	हरि भूमि	भोपाल	31.07.2024	12	मेट्रो दूसरे फेस में सॉइल के बाद लोड टेस्टिंग शुरू, मंडी पुल से लेकर करोंद चौराहे तक चल रहा है काम, स्टील ब्रिज की तैयारी पूरी, अब रेलवे का ब्लॉक मिलने का इंतजार	Neutral

अगले माह अंडर ग्राउंड टनल बनाने वाली कंपनी अपना काम शुरू कर देगी

मेट्रो दूसरे फेस में सॉइल के बाद लोड टेस्टिंग शुरू, मंडी पुल से लेकर करोंद चौराहे तक चल रहा है काम, स्टील ब्रिज की तैयारी पूरी, अब रेलवे का ब्लॉक मिलने का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर निर्माण कार्य में अब तेजी आ गई है। मंडी पुल से लेकर करोंद चौराहे तक मेट्रो दूसरे फेस में सॉइल के बाद लोड टेस्टिंग शुरू हो गई है, जिससे यह पता लग सके कि पिलर बनने के बाद किसी प्रकार का दवाब तो इस मिट्टी पर नहीं आएगा, जबकि इसी फेज में अंडर ग्राउंड टनल बनाने वाली कंपनी भी अगले माह अपना काम शुरू कर देगी। इसके पहले जिला प्रशासन ने कहा है कि अंडर ग्राउंड वाले स्थानों से आरा मशीन सहित अन्य व्यवधान जल्दी ही हटा दिए जाएंगे।

मेट्रो अधिकारियों के अनुसार एम्स से सुभाष नगर के 6.22 किमी के मेट्रो रूट के बाद अब इसके आगे यानी सुभाष नगर से करोंद तक दो चरणों में एक साथ कंस्ट्रक्शन शुरू हो चुका है। करीब 9 किमी के इस रूट में से पुल पातरा से सिंधी कॉलोनी तक 3 किमी के अंडरग्राउंड रूट के साथ ही शेष 6 किमी में स्टेशन और रूट यानी वाया डक्ट निर्माण पर 650 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके टेंडर जारी होने के बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

मेट्रो प्रोजेक्ट के पहले चरण में एम्स से करोंद व भदभदा से रत्नागिरि चौराहा तक काम

मेट्रो प्रोजेक्ट के पहले चरण में एम्स से करोंद और भदभदा से रत्नागिरि चौराहा इन दो रूट पर मेट्रो संचालन होना है। प्रायोरिटी रूट के तहत एम्स से सुभाष नगर तक 6.22 किमी पर 2018 मे काम शुरू हुआ था। रेलवे क्रॉसिंग पर स्टील ब्रिज के निर्माण में देरी हो रही है, लेकिन इस पुल के सभी काम पूरे हो गए हैं, सिर्फ रेलवे का ब्लाक मिलने का इंतजार है। ब्लाक मिलते ही पिलर पर ब्रिज को रख दिया जाएगा।

दूसरे फेज में यह काम शुरू हुआ

सुभाष नगर से ऐशबाग और सिंधी कॉलोनी से करोंद तक के रूट पर एलिवेटेड वाया डक्ट के साथ स्टेशन निर्माण का काम होना है। मेट्रो के इस रूट पर रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टेंड के स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे। इसके लिए पुल पातरा से सिंधी कॉलोनी का रूट अंडरग्राउंड होगा।

पैसेंजर इंटरचेंज स्टेशन बनेगा

पुल बोगदा, **ऐशबाग, सिंधी** कॉलोनी, डी**आईजी** बंगला, कृषि **उपज मंडी** और करोंद **में 6 स्टेशन** बनना है। पुल **बोगदा** पर एम्स से **करोंद** और भदभदा से रत्नागिरि **दोनों** मेट्रो रूट की लाइनें मिलेंगी। यहां पैसेंजर इंटरचेंज स्टेशन बनेगा।

39 एकड़ जमीन का अधिग्रहण

इस रूट के लिए 39 एकड़ जमीन का अधिग्रहण का काम भी शुरू हो गया है। पातरा से भारत टॉकीज के बीच स्थित आरा मशीनों को भी शिफ्ट करने की प्रक्रिया अब तेज की जा रही है। ऐशबाग में दो एकड़ से अधिक जमीन ली जा रही है। इसी तरह भोपाल टॉकीज पर बड़ाबाग की ढाई एकड़ जमीन भी ली जा रही है। सवा एकड़ में भूमिगत मेट्रो स्टेशन, प्रवेश और निकास द्वार और भोपाल स्टेशन पर अन्य कामों के लिए जगह छोड़ी जा रही है। यहां मेट्रो के फूड प्लाजा, पार्किंग, स्टेशन एवं प्लाजा बनाए जा रहे हैं। करोंद पर एक एकड़ में पार्किंग के साथ फूड प्लाजा और एक एकड़ में पावर सब स्टेशन बनाया जाएगा। इसी तरह ईरानी डेरे के कब्जे से मुक्त कराई गई लगभग 0.18 भूमि पर पार्किंग बनाई जाएगी।